

धोरण : 6

हिन्दी

# १. दयालु शिकारी (चित्रपाठ)

अभ्यास - स्वाध्याय



# अभ्यास

1. चित्र का अवलोकन करके प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) इस चित्रपाठ में किस पशु की बात है?

➤ इस चित्रपाठ में एक हिरनी की बात है ।

(2) आपने किन-किन पशुओं को देखा है?

➤ मैंने इन पशुओं को देखा है : गाय, बैल, भैंस, बकरी, घोड़ा, हाथी, कुता, बंदर, बिल्ली, ऊँट और गधा ।

(3) जंगल में कौन-कौन से जानवर देखने को मिलते हैं?

➤ जंगल में शेर, बाघ, हाथी, हिरन, भालू, लोमड़ी, सियार, खरगोश, बंदर आदि जानवर देखने को मिलते हैं ।



(4) चित्रपाठ के आधार पर शब्दों की सूची बनाइए।

➤ शिकारी, दयालु, हिरनी, जंगल, बंदूक, निशाना, गोली, टांग, शावक, आँसू, पशु, अस्पताल ।

(5) चित्रपाठ के आधार पर चुने गए शब्दों को लेकर वाक्य बनाइए।

➤ (1) शिकारी - राजा एक अच्छा शिकारी था।

(2) दयालु सविता दयालु लड़की है।

(3) हिरनी जंगल में हिरनी दौड़ रही है।

(4) जंगल शेर जंगल का राजा है।

(5) बंदूक शिकारी के पास बंदूक थी।

(6) निशाना - तुमने सही निशाना लगाया।



(7) गोली शिकारी की गोली निशाने पर लगी।

(8) टाँग बंदर की टाँगें लंबी होती हैं।

(9) शावक शावक अपनी माँ के पास बैठा था।

(10) आँसू - माँ की आँखों में आँसू थे।

(11) पशु - गाय दुधार पशु है।

(19) अस्पताल यह शहर का नया अस्पताल है।



2. चित्रों के आधार पर निम्नलिखित जैसे प्रश्न पूछकर दयालु शिकारी कहानी बनाइए:

(1) पहले चित्र में हिरनी क्या कर रही है?

➤ पहले चित्र में हिरनी दौड़ रही है ।

(2) हिरनी जंगल में क्या-क्या खाती होगी?

➤ हिरनी जंगल में घास और पेड़-पौधे के पत्ते खाती होगी ।

(3) हिरनी देखने में कैसी है?

➤ हिरनी देखने में मोटी-ताजी है ।



**(4) शिकारी हिरनी का शिकार क्यों करना चाहता था?**

➤ शिकारी मांस के लिए हिरनी का शिकार करना चाहता था ।

**(5) गोली मारने के बाद शिकारी ने क्या किया?**

➤ गोली मारने के बाद शिकारी हिरनी के समीप गया ।

**(6) हिरनी के समीप जाकर शिकारी ने क्या देखा?**

➤ हिरनी के समीप जाकर शिकारी ने देखा कि उसकी टाँग में गोली लगी है और उसने एक शावक को जन्म दिया है ।



**(7) शिकारी हिरनी को कहाँ ले गया ? क्यों ?**

➤ शिकारी हिरनी को पशुओं के अस्पताल में ले गया, क्योंकि वह उसका इलाज कराना चाहता था ।

**(8) शिकारी ने हिरनी के साथ कैसा व्यवहार किया? क्यों?**

➤ शिकारी ने हिरनी के साथ दयापूर्ण व्यवहार किया, क्योंकि उसकी दशा देखकर शिकारी को दुःख हुआ था ।

### 3. वर्ण के आधार पर अधिक से अधिक शब्द बनाइए:

उदाहरण : ख : खरगोश, खत्म, खाली, खाना....

(ट, ड, म, भ)

ट - टकसाल, टका, टखना, टमटम

ड - डकार, डकैती, डग, डगमग

म - मकड़ी, मकर, मधुर, मक्षिका

भ - भगत, भगदड़, भगवा, भगोड़ा



## स्वाध्याय

1. शिकारी हिरनी के पास क्यों गया? अपने विचार लिखिए :

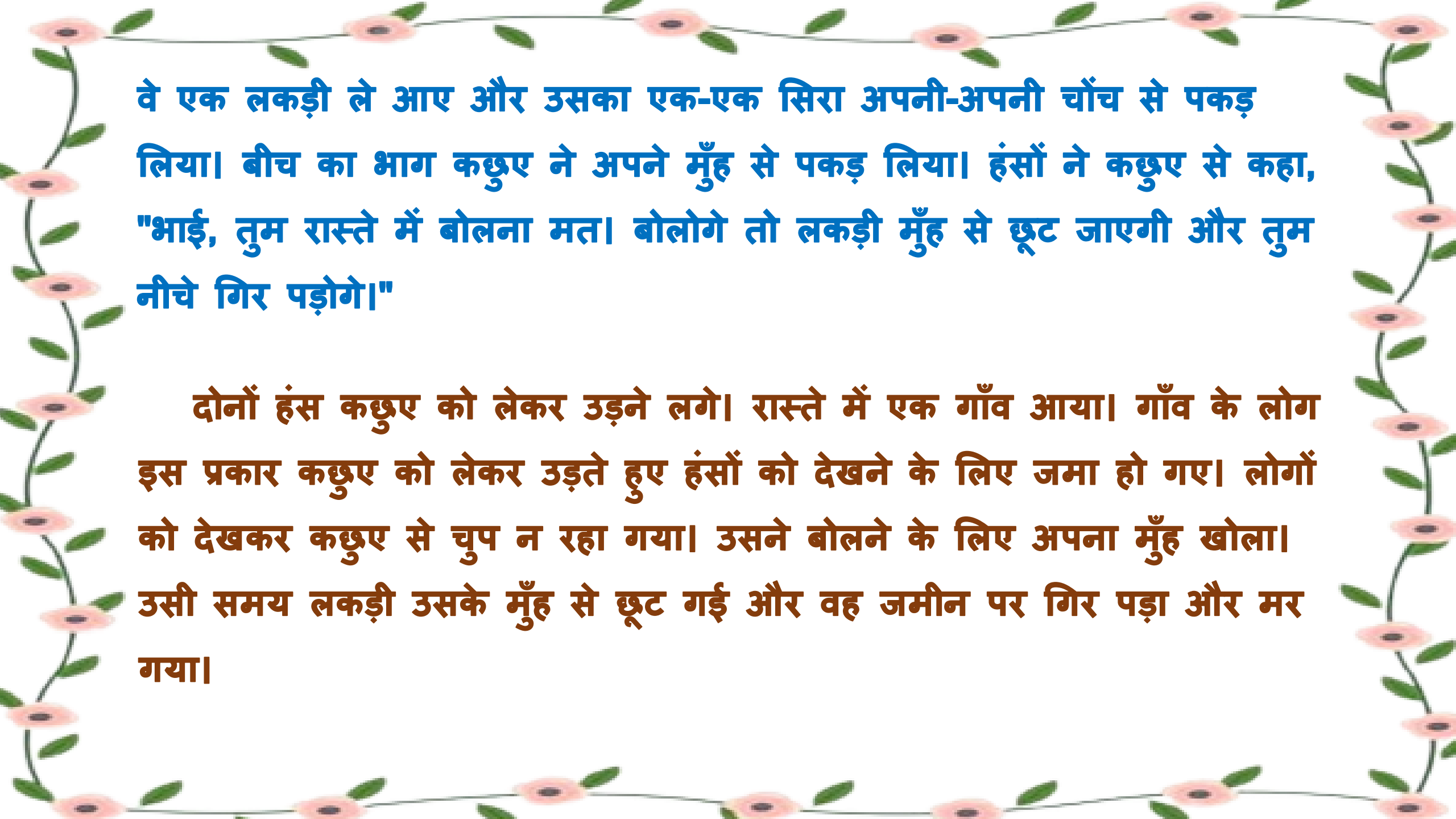
➤ शिकारी ने हिरनी पर गोली चलाई थी। वह यह जानना चाहता था कि उसकी गोली हिरनी को कहाँ लगी और अब वह किस दशा में है। यह जानने के लिए ही वह हिरनी के पास गया।

## 2. नीचे दो प्रसिद्ध कहानियों के चित्र दिए गए हैं, उनके नाम लिखकर कहानी लिखिए :



एक तालाब था। उसमें एक कछुआ रहता था। वह बहुत बातूनी था। वहीं दो हंस भी रहते थे। वे उसके अच्छे मित्र बन गए थे।

एक साल वहाँ बरसात बहुत कम हुई। तालाब का पानी सूखने लगा। हंसों ने कछुए के साथ दूसरे तालाब पर जाने का निश्चय किया।



वे एक लकड़ी ले आए और उसका एक-एक सिरा अपनी-अपनी चोंच से पकड़ लिया। बीच का भाग कछुए ने अपने मुँह से पकड़ लिया। हंसों ने कछुए से कहा, "भाई, तुम रास्ते में बोलना मत। बोलोगे तो लकड़ी मुँह से छूट जाएगी और तुम नीचे गिर पड़ोगे।"

दोनों हंस कछुए को लेकर उड़ने लगे। रास्ते में एक गाँव आया। गाँव के लोग इस प्रकार कछुए को लेकर उड़ते हुए हंसों को देखने के लिए जमा हो गए। लोगों को देखकर कछुए से चुप न रहा गया। उसने बोलने के लिए अपना मुँह खोला। उसी समय लकड़ी उसके मुँह से छूट गई और वह जमीन पर गिर पड़ा और मर गया।



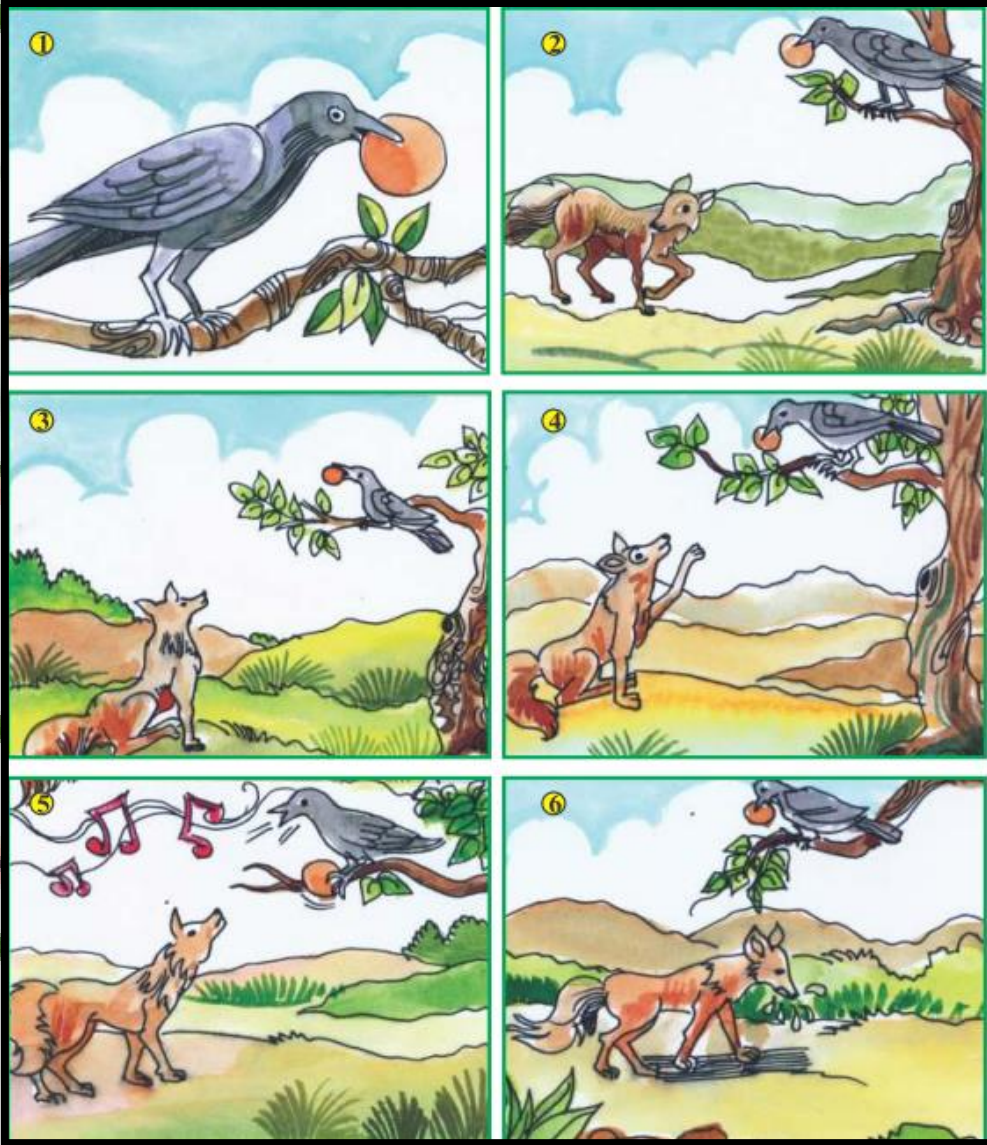
एक कौआ था। एक बार उसे खूब प्यास लगी। उसने इधर-उधर पानी की तलाश की, पर उसे कहीं पानी नहीं मिला।

आखिर उड़ते-उड़ते वह एक झोंपड़ी के पास पहुँचा। वहाँ उसे एक घड़ा दिखाई दिया। घड़े में थोड़ा पानी था। पानी बहुत नीचे था। कौए की चोंच पानी तक पहुँच नहीं सकती थी।

पानी ऊपर लाने के लिए कौए ने एक उपाय सोचा। वहाँ आसपास बहुत से कंकड़ पड़े हुए थे। उसने एक-एक कंकड़ घड़े में डालना शुरू किया। कंकड़ों के कारण पानी घड़े के मुँह तक आ गया। कौए ने घड़े का पानी पीकर अपनी प्यास बुझाई और उड़ गया।



### 3. 'कौआ और लोमड़ी' कहानी बनाकर लिखिए :



एक बार एक कौए को एक रोटी मिली। वह रोटी लेकर उड़ता हुआ एक पेड़ की डाल पर जा बैठा। इतने में एक लोमड़ी पेड़ के नीचे आई। उसकी नजर कौए की रोटी पर पड़ी। उसके मुंह में पानी आ गया। उसने सोचा, 'कौए को मूर्ख बनाकर मैं उससे रोटी ले लूँ।'

लोमड़ी ने कौए से कहा, "कौआ भइया, कौआ भइया ! कोई गाना सुनाइए न ! आपका गाना मुझे बहुत मीठा लगता है।"



कौआ लोमड़ी की चालाकी समझ गया। उसे लगा कि लोमड़ी रोटी पाने के लिए यह नाटक कर रही है। कौए ने अपनी चाँच की रोटी अपने पंजे से पकड़ ली और वह जोर-जोर से काँव-काँव करने लगा।

यह देखकर लोमड़ी आश्चर्यचकित रह गई। "अरे, यह कौआ तो समझदार लगता है।" ऐसा वह मन-ही-मन बोली और चलती बनी।

फिर कौए ने मजे से रोटी खा ली। सचमुच, अपनी झूठी बड़ाई सुनकर हमें गुमराह नहीं होना चाहिए।

4. प्रश्न : 2 और 3 में आपको-कौन सी कहानी अच्छी लगी? क्यों?

5. नीचे दिए गए शब्दों के विरोधी शब्द घरे में से ढूँढ़कर वाक्य प्रयोग कीजिए :

(1) दयालु (2) बहुत (3) स्वस्थ (4) खुश (5) जन्म (6) बुराई

उदाहरण : दयालु x निर्दयी

थोड़ा, निर्दयी, मरण,  
नाखुश, भलाई, अस्वस्थ,  
खुशी, चिंता

**वाक्य-प्रयोग:**

(1) दयालु - दयालु मनोज ने आहत चिड़िया को बचाया।

निर्दयी - शिकारी निर्दयी होते हैं।

(2) बहुत - तुम बहुत थक गए हो।

थोड़ा - अब थोड़ा आराम कर लो।



(3) स्वस्थ - आज मैं स्वस्थ हूँ।

अस्वस्थ - कल मैं अस्वस्थ था।

(4) खुश - वह हमेशा खुश रहता है।

नाखुश - मैंने उसे कभी नाखुश नहीं देखा।

(5) जन्म - रोज कई बच्चों का जन्म होता है।

मरण - रोज कई लोगों का मरण होता है।

(6) बुराई - मैंने आपके साथ कभी बुराई नहीं की।

भलाई - मैंने आपके साथ हमेशा भलाई की है।



प्रश्न 6. नीचे दिए गए वाक्यों में से जो 'संज्ञा' हैं उन्हें रेखांकित कीजिए :

उदाहरण : थोड़ी देर बाद उसे राम और श्याम मिले।

(1) पूजन की परीक्षा पाँच बजे तक चलनेवाली थी।

(2) सब अंबाजी जा रहे थे।

(3) गुलाब का फूल मुझे पसंद है।

(4) हिमालय की चढ़ाई बहुत कठिन थी।

(5) आज बिल्ली सारा दूध पी गई।

**प्रश्न 7. अंदाज अपना-अपना : यदि शिकारी की जगह तुम होते तो क्या करते? चर्चा कीजिए।**

**उत्तर : यदि शिकारी की जगह मैं होता, तो मैं भी हिरनी के साथ वैसा ही व्यवहार करता जैसा शिकारी ने किया।**

**चर्चा:**

**नरेंद्र - घायल हिरनी और उसके नवजात शावक को देखकर मेरा दिल भर आता।**

**परेश - मैं तुरंत दौड़कर रिक्शा या किसी दूसरे वाहन को ले आता।**

**अखिल - रिक्शा या किसी अन्य सवारी को किराया देना पड़ता। अगर तुम्हारे पास किराये के पैसे न होते तब क्या करते?**



परेश - तब मैं दौड़कर सीधे अस्पताल पहुँचता और हिरनी की हालत बताकर उनसे ऐम्ब्युलन्स भेजने का अनुरोध करता।

नरेंद्र - हाँ, किसी तरह हिरनी का इलाज तो करवाना ही था। उसके बचने पर ही उसके बच्चे के जीवित रहने की आशा की जा सकती थी।

**THANKS**



**FOR WATCHING**